कार्यकारी सारांश

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के लिए, उन्हें अनुकूलित करते हुए असमानता और पुरानी अवसंरचना से शहरों को ठीक करने के लिए, सामाजिक, पारिस्थितिक और तकनीकी क्षेत्रों में काम करने में सक्षम विशेषज्ञता के नए रूपों की आवश्यकता है। यह अंतर्विषयक विशेषज्ञता विशेष रूप से समालोचनात्मक है जब मौजूदा अवसंरचना (जैसे जल जलनिकास, आवासन, सड़क और परिदृश्य संजाल) को विकसित करने वाले सामाजिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 'हरित अवसंरचना को लागू करना हो। आवश्यक विशेषज्ञता इकट्ठा करने के लिए, हमारी परियोजना ने अगली पीढ़ी के हरित अवसंरचना के नेताओं को एकत्र किया - 54 प्रारंभिक कारकिर्दगी विद्वान और विविध पृष्ठभूमि के पेशेवर व्यक्ति - हमारे अपने प्रशिक्षण और पेशेवर विकास की स्थिति को आलोचनात्मक रूप से जाँच करने के लिए, साथ ही साथ सामूहिक रूप से सीखने के लिए कि बहु-कार्यात्मक हरित अवसंरचना के कार्यान्वयन के साथ शहरी लचीलापन कैसे बनाया जाए। हमने पूछा:

- *हम अनेक – और अक्सर प्रतिस्पर्धा करने वाली – ज़रूरतों को पूरा करने के लिए हरित अवसंरचना का लाभ कैसे उठा सकते हैं?*
- *भविष्य के लिए कौन से लक्ष्य इस परिवर्तन का मार्गदर्शन करेंगे? किसके दृष्टिकोण और विशेषज्ञता इन लक्ष्यों को निर्धारित करेंगे?*
- *हम कैसे अतीत की व्यवस्थाओं को चुनौती दें और उन्हें बदलें जो आज के अन्याय संगत और जोखिम भरे परिदृश्य की ओर ले गए?*

एक अंतर्विषयक सामूहिक संस्था के रूप में, हमने सामाजिक-पारिस्थितिक-तकनीकी प्रणालियों (एसईटीएस) की रूपरेखा का उपयोग करके अधिक *समग्र* हरित अवसंरचना के प्रतिमानों की दिशा में मार्ग खोजने के लिए सीखने की परिसंवादों की एक श्रृंखला में निर्देशित चर्चाओं और गतिविधियों के माध्यम से काम किया है । हमने हरित अवसंरचना के अंतर्गत निरंतर चुनौतियों की पहचान की और उनको निपटाने के लिए सिद्धांतों को विकसित की:

1. हरित अवसंरचना की शुरुआत, प्रारूप, कार्यान्वयन और रखरखाव में विरासत, पैमाने और शक्ति के लिए हिसाब रखना
2. हरित अवसंरचना के कार्यान्वयन और प्रभंधन में सांस्थानिक शासन-विधि, उद्देश्य और शक्ति संरचनाओं को पहचानना

3. समुदाय को केंद्रित करना और हरित अवसंरचना की शुरुआत, प्रारूप, कार्यान्वयन और रखरखाव में विभिन्न प्रकार के स्थान-आधारित ज्ञान को समाविष्ट करना
4. संसाधनों के आधार पर हरित अवसंरचना के सामाजिक, पारिस्थितिक और तकनीकी पहलुओं को प्राथमिकता दें
5. समुदायों की ज़रूरतों, विरासतों, और भविष्य लक्ष्य-निर्धारण को निपटाने के लिए अनुकूली प्रभंधन का लाभ उठाना
6. हरित अवसंरचना के लचीले स्वामित्व और रखरखाव की ओर व्यापक मार्ग बनाना, जिसके कारण सामाजिक, पारिस्थितिक और तकनीकी संदर्भ बदल रहे हैं।

सिद्धांत 1 हरित अवसंरचना को प्रकट करने के लिए SETS आयामों के भीतर और उसके बीच में मौजूद तीन अंतर्निहित प्रक्रियाओं को स्पष्ट करके सभी सिद्धांतों के लिए एक आधार के रूप में कार्य करता है। ये प्रक्रियाएं निर्धारित करती हैं कि हरित अवसंरचना को कैसे समझा जाता है, अभिकल्प किया जाता है, कार्यान्वित किया जाता है, बनाए रखा जाता है और यह कैसे विकसित होता है। इन प्रक्रियाओं को समझने से हम SETS के रूपरेखा के भीतर परिणामों का अधिक समग्र रूप से मूल्यांकन कर सकते हैं।

- **विरासतें**: एक जगह और उसके समुदायों का न केवल एक इतिहास होता है (या विभिन्न समुदायों द्वारा अनुभव किए गए अनेक इतिहास), बल्कि विरासतें भी जो हरित अवसंरचना की योजना और योजना और कार्यान्वयन की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है (उदहारण के लिए शहरी योजना और पृथक्करण की औपनिवेशिक और जातिवादी विरासत)। उनमें ऐसे इतिहास शामिल हो सकते हैं जो लोगों की जगह और उनके हालचाल की भावना को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। एक जगह की भी एक भविष्य होती है; समुदायों के लक्ष्य होते हैं कि वोह भविष्य केसा हो सकता है और केसा होना चाहिए जो इस बात के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बन जाता है कि अन्याय को निपटाने और निवारण करने में हरित अवसंरचना की क्या भूमिका होनी चाहिए।
- **पैमाने और जोड़**: हरित अवसंरचना के कार्यान्वयन को उस परिदृश्य के पैमानों पर विचार करना चाहिए जिसमें यह अंतःस्थापित है। उदाहरण के लिए, पड़ोस के व्यक्तिगत हस्तक्षेप हरितजगह के संजाल का हिस्सा हैं, जो एक चौड़े शहरव्यापी जलग्रह के भीतर बैठा है, जो खुद के ज़मीन उपयोग के एक बहुत बड़े संजाल में अंतर्निहित है। स्थानीय हरित अवसंरचना के हस्तक्षेप,

इसलिए, नीड़ित पदानुक्रमों का हिस्सा हैं, जो आड़े तिरछे जोड़ की विशेष पहचान है, जिस पर एक व्यापक योजना प्रक्रिया पर विचार करने की ज़रुरत है।

- सामाजिक पैमाने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे कि संगठन और संस्थानों के विभिन्न पैमाने। हरित अवसंरचना परियोजनाएं संस्थागत संरचनाओं के भीतर अंतर्निहित होती हैं जिनमें अक्सर अतिव्यापी जनादेश होते हैं, विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकार के हित समूहों के अतिरिक्त, सामुदायिक निकायों, नगरपालिका नियोजन विभाग, जिला प्राधिकरण और यहां तक कि राष्ट्रीय एजेंसियां शामिल हैं। हरित अवसंरचना की योजना, कार्यान्वयन और प्रबंधन की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला सामाजिक रूप से निर्मित संस्थागत परिदृश्य जटिल हो सकता है, और प्रबंधन के पैमाने और प्रबंधित की जा रही SETS प्रक्रियाओं के पैमाने (ओं) के बीच एक बेमेलपन हो सकता है।
- **अधिकार**: हरित अवसंरचना एक जिया गया सामाजिक योजना के रूप में काम करता है, जिसका आकार स्थानीय समुदायों द्वारा दिया जाता है, और बदले में आकार देता है जिसका वह एक हिस्सा है। किसी भी दिए गए हरित अवसंरचना परियोजना में, कई हितधारक होते हैं जो हरित अवसंरचना परियोजनाओं से प्रभावित हो सकते हैं या इसमें शामिल हो सकते हैं, व्यक्तिगत निवासियों से लेकर सरकारी विभागों तक, स्थानीय हित समूहों से लेकर वैश्विक संगठनों तक। और हरित बुनियादी ढांचे की प्रक्रिया के भीतर निर्णय लेना शक्ति संबंधों और विषमताओं की विशेषता है। हरित अवसंरचना की प्रक्रियाओं को सक्रिय रूप से अधिकार समानताओं को पहचान कर उन्हें सुधारने का काम करना चाहिए।

प्रत्येक सिद्धांत इन तीन प्रक्रियाओं पर आधारित है। सामूहिक रूप से, वे यह समझने की ओर पहले कदम का वर्णन करते हैं कि *कब* और *क्यों* हरित अवसंरचना अधिक लचीला शहरी प्रणालियों के लिए एक उचित उपाय हो सकता है। हमें विश्वास है कि लोगों का एक संजाल बनाकर जो जगहों, संस्कृतियों, पृष्ठभूमि, विषय और क्षेत्रों तक फैले हुआ हो, हम भविष्य में हरित अवसंरचना के जगह को रूप देने में हस्तक्षेप करने के लिए नई समझ और क्षमता हासिल कर सकते हैं। हम यहां प्रस्तुत किये गए सिद्धांतों के संवाद और आलोचना को प्रोत्साहित करते हैं। निरंतर सहयोग के ज़रिए, हम एकीकृत सामाजिक, पारिस्थितिक और तकनीकी प्रणालियों के रूप में हरित अवसंरचना के परिवर्तनों को आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

Hindi Translation by Parvathi Pappu